

**हिलोरना** स.क्रि. (तद्.) 1. हिलोरे लेना 2. हिलोरे उत्पन्न करना।

**हिलोरा** पुं. (तद्.) 1. लहर, तरंग 2. (मन की) मौज।

**हिल्लोल** पुं. (तत्.) 1. लहर, तरंग 2. (मन की) मस्ती, मौज 3. कंपन 4. हिलना, लहराना 5. झुलाना।

**हिवड़ा** पुं. (देश.) हृदय, दिल।

**हिवाँर** पुं. (देश.) 1. हिम, बर्फ 2. तुषार, पाला वि. बहुत ठंडा।

**हिवार** पुं. (देश.) 1. बहुत ठंडा स्थान, ऐसा स्थान जहाँ बर्फ ही बर्फ हो 2. हिमालय 3. ठंडक।

**हिसका** पुं. (देश.) ईर्ष्या, जलन, डाह, स्पर्धा।

**हिसाब** पुं. (अर.) 1. गणना 2. गणितशास्त्र 3. भाव, दर जैसे- आलू क्या हिसाब दिए? 4. धन के आदान-प्रदान (जमा-खर्च) का विवरण 5. विचार जैसे- मेरे हिसाब से तुम्हें यह नौकरी कर लेनी चाहिए 6. व्यवस्था जैसे- तुम्हारे आहार-विहार का कोई हिसाब है या नहीं? 7. युक्ति, तरकीब जैसे- ज्यादा मुनाफा प्राप्त करने का क्या हिसाब है-मुझे भी बताओ मुहा. हिसाब करना- लेने देने या जमा-खर्च का विवरण समझना, नौकरी से निकालना; हिसाब चलना- उधार का लेन-देन चलता रहना; हिसाब चुकाना/हिसाब चुकता करना/हिसाब बराबर करना, हिसाब साफ करना- लेने-देने का हिसाब पूरा कर देना, बदला ले लेना; हिसाब न होना- व्यवस्था ठीक न होना, गणना ठीक न होना, भुगतान पूरा न होना।

**हिसाबी** वि. (अर.) 1. हिसाब से संबंधित 2. हिसाब करने वाला।

**हिसार** पुं. (फा.) 1. दुर्ग, किला, गढ़ 2. परकोटा, घेरा, चक्र, कुंडली 3. वर्तमान हरियाणा राज्य का एक जिला।

**हिसालू** पुं. (देश.) 1. एक झाड़ीनुमा फलदार पौधा 2. हिसालू के फल जो स्वाद में खट्टे-मीठे होते हैं।

**हिसिषा स्त्री.** (तद्.) 1. प्रतिस्पर्धा, होड़ 2. तुल्यता, बराबरी।

**हिसौहा** वि. (अर.) लोभी, लालची।

**हिस्टीरिया** पुं. (अं.) आयु. क्रोध, भय अथवा अन्य किसी भाव की अत्यधिकता या विस्फोट के कारण उन्मादजन्य रोग जो स्नायुतंत्र की कमजोरी के परिणामस्वरूप होता है, इसमें शरीर में अकड़न या मनोस्नायविक गड़बड़ी के कारण लगातार हँसना या रोना भी हो सकता है, परंतु सभी प्रकारों में चेतना शून्यता एक अनिवार्य लक्षण है, अपस्मार, वातोन्माद। hysteria

**हिस्ट्री** स्त्री. (अं.) इतिहास।

**हिस्सा** पुं. (अर.) 1. भाग, अंग, अवयव जैसे- काश्मीर भारत का अविभाज्य हिस्सा है 2. किसी वस्तु का कोई अंश जैसे- इस साड़ी का एक हिस्सा दूसरे रंग का है 3. पैतृक संपत्ति या कंपनी की भागीदारी का भाग जैसे- पिताजी की मृत्यु के बाद सबने अपने हिस्से की जमीन बेच दी।

**हिस्सा-रसद** पुं. (अर.) आवश्यकता के आधार पर बाँटा गया हिस्सा, अर्थात् जिस पुत्र का परिवार बड़ा हो उसे बड़ा हिस्सा।

**हिस्सेदार** पुं. (अर+फा.) 1. हिस्सा प्राप्त करने का अधिकारी व्यक्ति 2. भागीदार।

**हिस्सेदारी** पुं. (अर.+फा.) 1. (किसी व्यवसाय में) भागीदारी 2. कंपनी के शेयर।

**हिहिनाना** अ.क्रि. (देश.) घोड़े के बोलने की ध्वनि के लिए प्रयुक्त शब्द, हिनहिनाना।

**हींग** स्त्री. (तद्.) विशेष वृक्षों से प्राप्त होने वाला गोंद जैसा पदार्थ जिसका प्रयोग मसाले या ओषधि के रूप में भी किया जाता है।

**हींगड़ा** पुं. (तद्.) एक प्रकार का घटिया हींग।

**हींगना** अ.क्रि. (देश.) 1. घोड़े का हिनहिनाना, हींसना 2. गधे का रेंकना।

**हींगलू** पुं. (तद्.) 1. चटकीले लाल रंग का एक खनिज पदार्थ, जो बिंदी लगाने, माँग भरने,